

# आरत का राजपत्र

## The Gazette of India



असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—कानून 3—उपभाग (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राप्तिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 243] तई दिल्ली, सोमवार, जूलाई 2, 1973/प्राषाढ 11, 1895

No. 243] NEW DELHI, MONDAY, JULY 2, 1973/ASADH 11, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation.

### MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 2nd July 1973

S.O. 368 (E).—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in partial modification of the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 143, dated the 9th January, 1967 (as amended by the Order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3251, dated the 30th August, 1971), and in supersession of the Order of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 2081, dated the 18th May 1971, the Central Government hereby authorises, with immediate effect, Shri B. N. Vali to take over the management of the whole of the Mahalakshmi Mills Company Limited, Beawar, vice Shri P. C. Gupta, until further orders.

[F. No. 28013/46/73-Tex (G)]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

### श्रोतोंगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 2 जूलाई, 1973

का० आ० 368 (प्र).—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65), की धारा 18ए द्वारा प्रदत्त अक्षियों का प्रयोग वरने हुए तथा भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय ने आदेश सं० का० आ० 143, दिनांक 9 जनवरी, 1967 (भारत सरकार के—भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० का० सा० 3251, दिनांक 30 अगस्त, 1971 द्वारा संरचित रूप में) को अंशतः संरचित करने हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 2081, दिनांक 18 मई, 1971, का अभिक्रिया करने हुए केन्द्रीय सरकार श्री बी० एन० थारी को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश हेतु तक के लिए श्री ई० म० गहल के म्थान पर सम्पूर्ण मञ्चावक्षमी मिल्स कम्पनी लि० व्यावर, का प्रबन्ध अपने अधिकार में लेने के लिए एवं दूर्घाटा प्राधिकरण करनी है।

[सं० फा० 28013/46/73-टैक्स० (जी)]

डी० के० सखेना, संयुक्त मन्त्री।